DPN 6010

Title : श्रीकृष्णाष्टक स्तोत्र ŚRĪKṚṢṆĀṢṬAKA STOTRA

Run. No. 6701 Cat. No. 26 Micro. No.

Subject स्तोत्र stotra Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 23 × 10.5 Folios 2 Lines (in a page) 8

Compl. / Incompl. Chapt. / act /

Author / translator शंकराचार्य Śaṅkarācārya Scribe / donor पशुपतिमान पाःमाय Paśupatimaṃ Pahmāya

Date: NS / SS / VS / KS Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. / Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

श्री गणेशायनमः ॥ श्री गङ्गायै नमः ॥ पयोधि जान्धवाङ्घि पङ्कज प्रकाशि दौलजे ॥

समाप्तिवाक्य colophon – इतिश्री शङ्कराचार्य विरचितं श्रीकृष्णाष्टक स्तोत्रम् शुभमस्तु ॥

शुभम ॥

श्रीगणेशाय श्रीगणेशाय नमः प्रातस्मरामि गणनाथमनाथबन्धुं सिन्दूरशोभितमुखं

श्रीगु

॥ उप ॥

॥ १ ॥

१

॥ श्रीगरोशायनम ॥ श्रीगरोशानम ॥ श्रीगङ्गायैनम ॥ पयोविजान्त्वदाङ्घ्रिपङ्कज
पवारिशैलजे ॥ कपर्दिशेखरस्फुरज्जटाकदम्बिलम्बिके ॥ पुरन्दरादिव
न्दवन्द्यपादपङ्कजे ॥ नमामिजह्नुकन्यके प्रसीदपाहिमाम ॥
॥ शरत्करोत्सङ्गकुन्दसभ्ररुपशुप्रभे ॥ सुराङ्गनाङ्गसङ्गीपिङ्गकुङ्कुमा
ङ्गपिङ्गले ॥ सरोजदिव्यदामभिःस्ववासलोचनाप्तिभिः ॥ प्रभूतभूतिक
मिजनैरजस्रपूजिते ॥२॥ चलत्तरङ्गलीलयासमुल्लसङ्गशीलया ॥ च
रातलस्थजन्तुजन्मसम्पुपाशनाशिनी सकुल्वरम्बुसङ्गता समस्त
पङ्करवराइनःकरोषिदेविदीहनादरासिसर्वमीप्सितम ॥३॥ क्वचित्त

॥ राम ॥

॥ १ ॥

१

मारुतोमिलद्वृन्दयुज्जतोपरं ॥ जुरज्जुवज्जुलेत्स्वनंगपुञ्जसङ्गदे नितम्बतुम्बतुम्ब
रंविवल्गविगलत्कदेकलिन्द ॥४॥ कृतानतालतालिकान्सधेनुपालवालि
कविलासलास्यलालसानवासरासवासक्त ॥ विनुप्रवृत्तदीसैन्दुयंमनो
विनोदवर्त्तनंकलिन्द ॥५॥ स्वनङ्गवारालक्ष्मरा मानसेविरागीरा
ज्जुरागकारिचित्तचोरचारुवेणुनाहत ॥ अमीयमानमाननीजनाभिमा
नमज्जनकलिन्द ॥६॥ जरा जराजराजराजराजरंजगज्जन ॥ प्रतापतापि
ताहिताहहाहताहताङ्ग ॥ चराचरानुरक्तरःप्रशानिचित्तु चांद्यनकलि

एकर

राम १

द ॥ ७ ॥ ल ता पि जा ल स ङ्ग ऽ ग त ब्र ज ङ्ग म रा ज्ञा ना प रा ज य न्तु नो ऽ ऽ ऽ ऽ स म न्त
नो र त प्रि ऽ ऽ ॥ इ त स्तो त्त व ऽ ऽ वि रा ज मा न गो ध्र ऽ ॥ का लि न्द न न्द नी त रे न न
न्द न न्द न न्द न ॥ ८ ॥ इ ति श्री श ङ्क रा चा र्य वि र चि तं श्री कृ ष्णा ष्ट कं स्तो त्र म्
श म्पू र्णा म् ॥ शु भ म् ॥

श्रीजोस्सायनम

गु गु
मूस

रो रो

२१८
स

राम १

रामः
२